नवोन्मेष तकनीक के साथ ग्राहक केंद्रीयता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हमारी प्रतिबद्धता तकनीक के माध्यम से नवाचार के लिए हमारे ग्राहक-केंद्रित लोकाचार के साथ सहज रूप से संरेखित है और एक ऐसा भविष्य तैयार करना है जहां बैंकिंग हमारे ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप सक्षम हो. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में डिजिटल रूपांतरण केवल कार्यनीति का भाग न होकर इससे ऊपर यह हमारी कॉर्पोरेट जिम्मेदारी और संवहनीय विकास का आधार है.

तकनीकी कौशल का उपयोग करना

हमने सावधानीपूर्वक एक डिजिटल बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित किया है जो लेन-देन के अनुभवों में क्रांतिकारी बदलाव करता है. हमने मोबाइल एवं इंटरनेट बैंकिंग में परिवर्तन को प्रोत्साहित करके कागज के उपयोग तथा शाखा में जाने की संख्या को काफी कम कर दिया है, जिससे हमारे संवहनीय लक्ष्यों को मजबूती मिली है. ब्लॉकचेन तकनीक से हमारा एकीकरण लेन-देन की सुरक्षा एवं पारदर्शिता को बढ़ाता है, धोखाधड़ी को कम करता है और विश्वास को मजबूत करता है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) भी हमारे परिचालन में महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं, जो वैयक्तिक ग्राहक सेवा एवं परिचालन दक्षता को बढ़ावा देते हैं. ये तकनीकें भौतिक संपर्क की आवश्यकता को कम करती हैं, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करती हैं और संसाधनों में सुधार करती हैं. उन्नत डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से हम ग्राहकों की प्राथमिकताओं के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करते हैं, जिससे हम ऊर्जा-कुशल परियोजनाओं के लिए हरित ऋण जैसे पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तैयार कर पाते हैं.

संवहनीय नवोन्मेष का प्रभाव

हमारी डिजिटल पहल पर्यावरणीय संवहनीयता के प्रति हमारी सुदृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है. डिजिटल स्टेटमेंट और ऑनलाइन लेनदेन क्षमताओं को व्यापक रूप से अपनाए जाने से हमारे कार्बन फुटप्रिंट में उल्लेखनीय कमी आ रही है. नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में हमारा निवेश एवं पर्यावरण-अनुकूल उद्योगों को समर्थन एक हरित भविष्य को बढ़ावा देने में हमारी भूमिका को दर्शाता है. यथा दिनांक 31 मार्च, 2024 तक, बैंक ने नवीकरणीय ऊर्जा ऋण के लिए रु.23,059 करोड़ मंजूर किए, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारे समर्पण का उदाहरण है. साथ ही, सामुदायिक जुड़ाव हमारी संवहनीय कार्यनीति का आधार है. हम वृक्षारोपण, प्लास्टिक कम करने के अभियान और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने जैसी पहलों के माध्यम से अपने ग्राहकों तथा कर्मचारियों को सक्रिय रूप से शामिल करते हैं, जिससे एक स्थायी जीवन शैली की ओर सामूहिक अभियान को बढ़ावा मिलता है.

भविष्य के लिए विजन

आगे बढ़ते हुए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां हरित बैंकिंग अपवाद नहीं बल्कि एक मानक हो. हम अपने परिचालन में लगातार नवीन, पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की खोज और एकीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं. हमारा अंतिम लक्ष्य न केवल अपने ग्राहकों को प्रसन्न करना है, बल्कि ग्रह को समृद्ध बनाना भी है, जिससे सभी हितधारकों के लिए अधिक संवहनीय एवं समृद्ध भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके. ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के साथ अत्याधुनिक तकनीक को मिलाकर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बैंकिंग को आगे बढ़ा रहा है, यह साबित कर रहा है कि वित्तीय सेवाएँ अभिनव, ग्राहक-केंद्रित और पर्यावरण के प्रति जागरूक हो सकती हैं.